विषय: संस्कृत
कक्षा - B.A. Part I
पत्र - प्रथम
दिनांक: - 11-05-2020

डॉ० सावित्री सिंह,
Associate Professor
Deptt. of Sanskrit
रो० म० का० सासाराम

दिनांक 8.5.2020
की अध्ययन सामग्री
से आगे -

किरातार्जुनीयम के आधार पर दुर्योधन की प्रजानीति

महाकवि भारवि जो 'भारवेरर्थगौरवम्' की उपाधि से प्रचलित हुए दुर्योधन की प्रजानीति का वर्णन वनेचर के मुखारविन्द से कराते हुए कहते हैं कि दुर्योधन धर्माचरण का कार्य भी करता है। वह दुःशासन को युवराज नियुक्त करके पुरोहितों के आदेशानुसार यज्ञ करने में लगा है।

स यौवराज्ये नवयौवनोद्धतं निधाय दुःशासनमिद्धशासनः।
मखेष्वखिन्नोऽनुमतः पुरोधसा धिनोति हव्येन हिरण्यरेतसम्॥

सः दुर्योधनः इद्धशासनः, अर्थात् अप्रतिहताज्ञः। सः नवयौवनयुतं कार्यसमर्थं बलवन्तं दुःशासनम् युवराजपदव्यां नियुक्तवान्। अनेन सर्वमपि निर्बाधं प्रचलति राज्ये। एवं व्यवस्थां कृत्वा निश्चिन्तो भूत्वा सः यज्ञयागादिषु आत्मानं व्यापारयति।

अर्थात्, वह (दुर्योधन) जिसकी प्रबल आज्ञा का तत्काल पालन किया जाता है, नयी युवावस्था से प्रगल्भ दुःशासन को युवराज पद पर नियुक्त करके पुरोहित के आदेश से यज्ञों में हवि द्वारा अग्नि को प्रसन्न करता है।

Scanned by CamScanner

दुर्योधन प्रतिद्वन्द्वी राजाओं से पूर्णतः शून्य होकर भविष्य में भी स्थायी रहने वाले पृथ्वीमण्डल का समुद्रपर्यन्त शासन करता हुआ भी वह आप से आने वाली विपत्ति का विचार करता ही है। ओह, बलवानों के साथ विरोध का परिणाम दुःखमय होता है।

प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधि मण्डलं भुवः।
स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यतीरहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता॥

इस प्रकार निष्कंटक राज्य का स्वामी होते हुए भी दुर्योधन आपका नाम सुनकर डर का अनुभव करता है। युधिष्ठिर द्वारा नियुक्त दूत (वनेचर) अन्त में अपनी बातों का निष्कर्ष करता हुआ कहता है कि दुर्योधन आपके प्रति छल करने में लगा हुआ है उसका प्रतिकार कीजिए। मैंने तो जैसा देखा वैसा बता दिया।

तदाशु कर्तुं त्वयि जिह्ममुद्यते विधीयतां तत्र विधेयमुत्तरम्।
परप्रणीतानि वचांसि चिन्वतां प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः॥

वनेचर अपनी सम्पूर्ण बातों का उपसंहार करता हुआ कहता है कि आपके प्रति कपट करने में लगे हुए उस दुर्योधन के प्रति जैसा प्रतिकार करना उचित हो उसे शीघ्र कीजिए। दूसरों द्वारा कहे गये वचनों का अनुसंधान करने वाले मुझ जैसे (दूतों) के वचन में यथार्थ वार्ता ही होता है।